Assignment
Class 4(पूजा हिन्दी रचना)
अभ्यास-1(वर्ण, मात्राएँ)
(रचना कॉपी में लिखें)

प्रश्न 1 वर्ण किसे कहते हैं?
उत्तर-वर्ण उस मूल ध्वनि को कहते हैं जिसके खण्ड न हो सकें| जैसे:-अ, ल् , स् , द् , प् आदि |

प्रश्न 2 वर्ण कितने प्रकार के होते हैं?
उत्तर- वर्ण दो प्रकार के होते हैं:-
1 स्वर वर्ण, 2. व्यंजन वर्ण

प्रश्न 3 स्वर किसे कहते हैं?
उत्तर- स्वर उन्हें कहते हैं, जो बिना किसी अन्य वर्ण की सहायता से बोले जाते हैं| जैसे :- अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ|
स्वर दो प्रकार के होते हैं:- 1.हस्व स्वर 2. दीर्घ स्वर
1.**हस्व स्वर** - इसके उच्चारण में कम समय लगता है| जैसे:-अ, इ, उ, ऋ|
2. **दीर्घ स्वर** - इसके उच्चारण में से ज्यादा समय लगता है| ये हैं :- आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ|

प्रश्न 4 व्यंजन किसे कहते हैं?
उत्तर- व्यंजन वे हैं जिनका उच्चारण करने के लिए स्वर वर्णों की सहायता लेनी होती है| व्यंजन स्वयं अकेले नहीं बोले जा सकते | जैसे:-क, ख, च, छ, ट, ठ तथा प, फ आदि|
क्ष, त्र, ज्ञ, श्र संयुक्त व्यंजन हैं :-

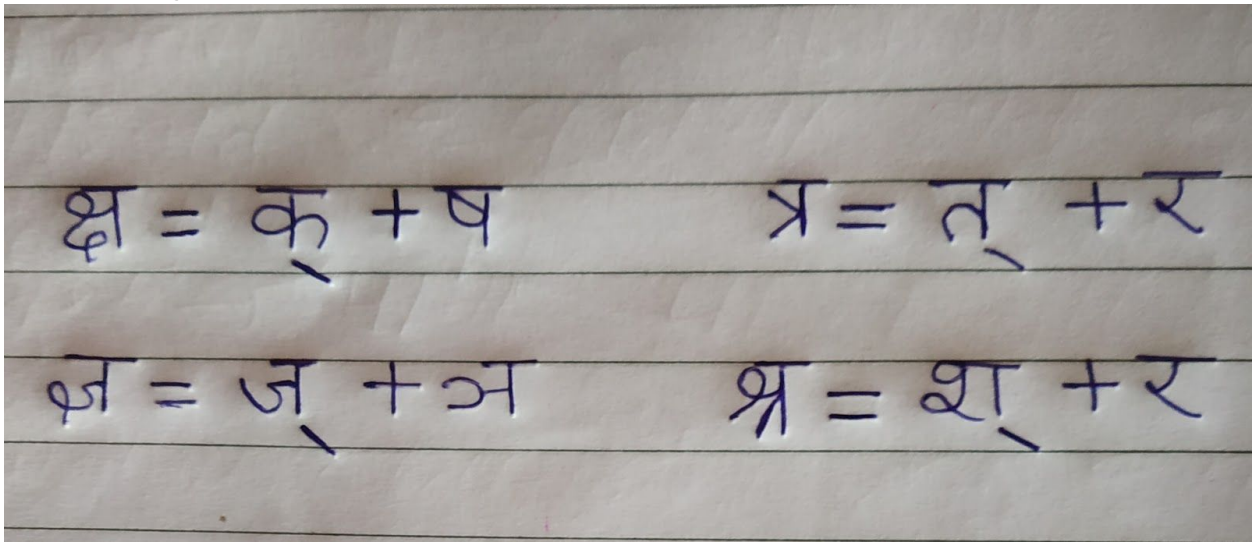

प्रश्न 5 मात्रा किसे कहते हैं?
उत्तर- स्वरों को किसी व्यंजन में मिलाने के लिए उसके छोटे चिह्न को मात्रा कहते हैं| जैसे:-

स्वर		स्वर की मात्रा
अ	-	कोई मात्रा नहीं होती
आ	-	ा
इ	-	ि
ई	-	ी
उ	-	ु
ऊ	-	ू
ऋ	-	ृ
ए	-	े
ऐ	-	ै
ओ	-	ो
औ	-	ौ

अनुस्वार (ं) अनुनासिक (ँ)

और विसर्ग (:)

अं → (ं) अनुस्वार → अंत, अंगूर, पंख, पंछी

अँ → (ँ) (चंद्र बिंदु) अनुनासिक → आँख, आँच

बाँस, पाँच

अः → (:) विसर्ग → अतः, स्वतः, प्रातः, प्रायः